NAR-009-001641 Seat No. _____

# B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

**March / April – 2017**

## HIN-605 : Hindi : Core-22

*(New Course)*

**Faculty Code : 009**
**Subject Code : 001641**

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :** सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ 'अशोक के फूल' निबंध की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १५

**अथवा**

१ निबंध के उद्‌भव–विकास की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

२ 'साहित्यकारों का दायित्व' निबंध में व्यक्त लेखक के विचारों को स्पष्ट कीजिए । १५

**अथवा**

२ द्विवेदीजी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''मुझे ऐसा लगता है कि वसंत भागता–भागता चलता है । देश में नहीं, काल में । किसी का वसंत पंद्रह दिन का है तो किसी का नौ महीने का ।''

(२) ''हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है । देश और जाति की विग्रह संस्कृति केवल बाद की बात है । सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है । शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा) ..... ।''

(३) ''हरिश्चंद्र ने जिस ब्राह्मण को सपने में दान दिया था, उसे अगर जायदाद पर कब्जे के लिए अदालत जाना पड़ता तो वह भी दो–चार चरमदीद गवाह खड़े कर देता ।''

(४) ''रवीन्द्रनाथ की प्रतिभा बहुमुखी थी, परंतु प्रधान रूप से वह कवि थे । कविता में भी उनका झुकाव गीति कविता की ओर ही था । उन्होंने गाने में आनन्द पाया, सुर के माध्यम से परम सत्य का साक्षात्कार किया और समस्त विश्व में अखंड सुर का सौन्दर्य व्याप्त देखा ।''

(५) ''चंद्रलोक में इस चमत्कार की खबर फैल गयी । लोग मातादीन को देखने आने लगे कि वह आदमी कैसा है जो तनस्वाह कम करके सक्षमता ला देता है ।''

४ पठित रचनाओं के आधार पर परसाईजी की व्यंग्य कला पर प्रकाश डालिए । १५

**अथवा**

४ परसाईजी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

५ 'एक कानाः एक ऐचकताता' में प्रकट व्यंग्य को समझाइए । १०

**अथवा**

५ 'रवीन्द्रनाथ के राष्ट्रीयगान' में व्यक्त लेखक के विचार । १०

---